

[Shri George Fernandes]

and for matters connected therewith or incidental thereto

MR SPEAKER The question is

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the acquisition and transfer of the undertakings of Messrs Gresham and Craven of India (Private) Limited for the purpose of ensuring the continuity of production of goods which are vital to the needs of the Railways and of the industries manufacturing engineering products and for matters connected therewith or incidental thereto"

*The motion was adopted*

SHRI GEORGE FERNANDES I introduce the Bill

STATEMENT RE GRESHAM AND CRAVEN OF INDIA (PRIVATE) LIMITED (ACQUISITION AND TRANSFER OF UNDERTAKINGS) ORDINANCE

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (KUMARI ABHA MAITI) I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Gresham and Craven of India (Private) Limited (Acquisition and Transfer of Undertakings) Ordinance 1977

PAYMENT OF BONUS (AMENDMENT) BILL\*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA) I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Payment of Bonus Act, 1965

MR. SPEAKER The question is

'That leave be granted to introduce a Bill further to amend the payment of Bonus Act, 1965'

*The motion was adopted*

SHRI RAVINDRA VARMA I introduce the Bill

STATEMENT RE PAYMENT OF BONUS (AMENDMENT) ORDINANCE

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND LABOUR (SHRI RAVINDRA VARMA) I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Payment of Bonus (Amendment) Ordinance 1977

12 46 hrs

MATTERS UNDER RULE 377

(1) DRAUGHT AND FAMINE SITUATION IN CERTAIN AREAS OF MAHARASHTRA

श्री हरीशंकर महाले (मालेगांव)  
अध्यक्ष महोदय, अगस्त महीने में उत्तर प्रदेश में बहुत बारिश हुई और बाढ़ आई और खेती और वेहातो में मकानों को नुकसान पड़ा। उस पर यहाँ सुनवाई हुई और लोक सभा में बहस हुई। इसके बाद तमिलनाडु में समुद्र में बाढ़ तूफान आया और मद्रास तथा अन्य विभागों में बड़ी प्राणहानि हुई और इसके बारे में लोक सभा में बहस हुई और भारत सरकार ने सहानुभूति पूर्वक इस पर विचार किया और कुछ कदम उठा कर उनकी मदद की।

†Introduced with the recommendation of the President

\*Published in Gazette of India Extraordinary Part II, Section 2, dated 21-11-77

भारत में महाराष्ट्र भी एक राज्य है। महाराष्ट्र को पत्थर का मुल्क बोलते हैं, वहाँ का मुल्क बोलते हैं। प्रभु राम चन्द्र जब उत्तर से आए और दक्षिण को गये तो ज्यादा से ज्यादा समय वे महाराष्ट्र में ठहरे। इस तरह से महाराष्ट्र ने उत्तर और दक्षिण की संस्कृतियों का मिलाने का काम किया है।

मैं यह कहना चाहता हूँ कि अब को बार महाराष्ट्र राज्य में बरसात कम हुई है और सूखा पड़ गया है। महाराष्ट्र में कराठवाडा, नासिक, धुलिया जिले तो ऐसे हैं कि वहाँ पर पीने का पानी नहीं है, जानवरों के लिए घास नहीं है। लोग जानवर बेच रहे हैं और वे लोग भूखे मर रहे हैं। खरीफ और रबी की फसलें नहीं हुईं। धान की फसल भी नहीं हुई है और मजदूरों और किसानों की हालत बहुत बुरी है। सन् 1973 में भी यहाँ पर सूखा पड़ा था और उस सूखे का घाव अभी तक बरा नहीं गया है। दो बार सूखा पड़ गया है। महाराष्ट्र में मिर्बाई की व्यवस्था केवल 8 प्रतिशत क्षेत्र में ही है और इस क्षेत्र में हमेशा कम व ज्यादा सूखा पड़ता है। वहाँ पर किसानों के पास 12 महीने के लिए खाना की व्यवस्था नहीं है। और ऋण वापस करने की शक्ति भी उनके पास नहीं है। मजदूरों को तो रोजगार मिलना चाहिये लेकिन किसानों को भी रोजगार मिलने को जरूरत है। पीने के पानी की व्यवस्था उनके लिए होनी चाहिये और एक बार नाश्ते की व्यवस्था होनी चाहिये वहाँ की व्यवस्था उनके लिए होनी चाहिए और सबके लड़कियों के लिए स्कूल देने चाहिए। सबक्यों को इस बारे में कुछ सहयोग मिलना चाहिए।

गजेन्द्र मोक्ष की बात भारतवासियों को मान्य है और आप भी इसको जानते हैं। ब्रिटीश ने जब गजेन्द्र का पांव पकड़ा तो क्वेन्ट ने प्रभु का नाम लिया और प्रभु ने

गजेन्द्र को मोक्ष दे दी। इस पर ब्रिटीश प्रभु से बोला कि मैंने भी तो आपको देखा है पर आप मुझे क्यों नहीं मोक्ष देते हैं। इस पर प्रभु ने ब्रिटीश को भी मोक्ष दे दी। इसलिए मेरी प्रार्थना यह है कि जब उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु, दोनों प्रदेशों की, केन्द्र ने प्राथमिक तथा और प्रकार की अच्छी तरह से मदद की है और इसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देने हैं, तो महाराष्ट्र में जब इतना बड़ा सूखा पड़ा है, इसके बारे में भी वे सोचें और उसकी कुछ मदद कीजिए। मेरी केन्द्र सरकार से प्रार्थना है कि ऐसी कोई समिति बना दीजिए जो यह सर्वेक्षण करे कि क्या क्या हो रहा है क्या क्या नहीं हो रहा है, और क्या क्या हालत है। यह समिति यदि गठित कर दी जाए तो वह अपने चुनाव केन्द्रीय सरकार को बतानेगी। केन्द्र सरकार से यही प्रार्थना मेरी है और यही मुझे इस विषय पर कहना है।

12.46 hrs.

(ii) POLICE LATHI CHARGE ON PALESTINIAN STUDENTS AT EGYPTIAN EMBASSY, NEW DELHI

SHRI DINESH JOARDER (Malda):  
Under Rule 377 of the Rules of Procedure and Conduct of Business I have to raise the following urgent matter. I request the Minister concerned and the Home Minister who is present here to make a statement on this matter:

It is reported that a large number of Palestinian students who were demonstrating before the Egyptian Embassy against the visit of Egypt President to Israel, on 20th November, 1977 were subjected to severe lathi charge by the Police. It is also reported that the police force used gun butts also to attack the students. Many Palestinian students were severely injured and 7 other students were arrested. Some of